तेरी याद | by Sanjay-Deep

क्या बतलाऊँ कितना मुझे सताती है
तेरी याद कन्हैया बड़ा रुलाती है
हर लम्हा आकर मुझको तड़पाती है
तेरी याद कन्हैया बड़ा रुलाती है

तेरी यादों में ही खोया रहता हूँ
बिन तेरे मोहन मैं रोता रहता हूँ
बैठ के तन्हाई में मोहन केवल
तेरे बारे में ही सोचता रहता हूँ
सोचते सोचते आँख मेरी भर आती है
तेरी याद कन्हैया बड़ा रुलाती है

गोकुल वृन्दावन में भी मैं घूम लिया
मथुरा की गलियों में तुझको ढूंढ लिया
तेरी कोई खबर कहीं ना मिल पाई
हर आने जाने वाले से पूछ लिया
तेरी तलाश मुझे दर दर भटकाती है
तेरी याद कन्हैया बड़ा रुलाती है

ढूंढते ढूंढते तुझको नैन मेरे हारे
एक दफा खुद आकर मिल जाओ प्यारे
शर्मा तेरी प्रीत में मोहन पागल है
नैनो से अश्क़ों के बहते हैं धारे
मेरे तन से जान निकल कर जाती है
तेरी याद कन्हैया बड़ा रुलाती है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%a6-by-sanjay-deep/